



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

Handwritten signature and date: 24/12/88

सं. 613]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 1, 1988/अग्राहायना 10, 1910

No. 613]

NEW DELHI, TUHRSDAY, DECEMBER 1, 1988/AGRAHAYANA 10, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1988

सं. 287/88-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

No. 287/88-CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 1st December, 1988

सा.का.वि. 1112(अ).-- केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और
और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा
(1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर
कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 88/88-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख
1 मार्च, 1988 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:--

उक्त अधिसूचना में,--

- पहले परन्तुक में, "जिसके अन्तर्गत स्त्री-सोसाइटियाँ हैं," शब्दों
के स्थान पर, "या स्त्री-सोसाइटियों द्वारा" शब्द रखे जाएंगे; और
- दूसरे परन्तुक में, "ऐसी सहकारी सोसाइटियों" शब्दों के स्थान
पर, "ऐसी सोसाइटियों" शब्द रखे जाएंगे।

[फा.सं. 245/10/88-डी आर ए (पार्ट-I)]

G.S.R. 1112(E) :--In exercise of the powers conferred by
sub-section (1) of Section 5A of the Central Excises and Salt
Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satis-
fied that it is necessary in the public interest so to do, hereby
makes the following further amendments in the notification
of the Government of India, Ministry of Finance (Department
of Revenue) No. 88/88-Central Excises, dated the 1st March,
1988 namely:--

In the said notification,--

- In the first proviso, for the words "including women's
Societies", the words "or by women's societies" shall
be substituted; and

(b) in the second proviso, for the words "such co-operative societies", the words "such societies" shall be substituted.

[F. No. 245/10/88-TRU(Pt. I)]

सं. 288/88-केन्द्रीय उत्पादशुल्क

सा.का.नि. 1113(अ).--केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पादशुल्क टैरिफ, अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के उपशीर्ष सं. 1901.19 के अन्तर्गत आने वाले और केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित किसी कार्यक्रम के अर्जित समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को निशुल्क वितरण के लिए आशयित खाद्य निमित्तियों को, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पादशुल्क से, छूट देती है।

परन्तु यह तब जबकि ऐसा खाद्य निमित्तियों के विनिर्माता ऐसी खाद्य निमित्तियों को निकासी का तारीख से पांच मास के भीतर या बहाई गई ऐसी अवधि के भीतर जो केन्द्रीय उत्पादशुल्क सहायक कलक्टर इस निमित्त अनुमत करे, ऐसे किता अधिभारों का जो भारत सरकार के उप सचिव की पंक्ति से नीचे का नहीं है या सम्बद्ध राज्य के उप सचिव की पंक्ति से नीचे का नहीं है, इस आशय का एक पमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि ऐसी खाद्य निमित्तियों को केन्द्रीय सरकार या सम्बद्ध राज्य सरकार द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित किसी कार्यक्रम के अर्जित समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को निशुल्क वितरित किया गया है।

[फा.सं. 332/78/88-टीप्रारयू]

No. 288/88-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 1113(E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby, exempts food preparations falling under sub-heading No. 1901.19 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and intended for free distribution to economically weaker sections of the society under a programme duly approved by the Central Government or any State Government, from the whole of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule;

Provided that the manufacturer of such food preparations produces within five months from the date of clearance of such food preparations or within such extended period as the Assistant Collector of Central Excise may allow in this regard, a certificate from an officer not below the rank of a Deputy Secretary to Government of India or not below the rank of a Deputy Secretary to the State concerned to the effect that such food preparations have been distributed free to the economically weaker sections of the society under a programme duly approved by the Central Government or the State Government concerned.

[F. No. 332/78/88-TRU]

सं. 289/88-केन्द्रीय उत्पादशुल्क

सा.का.नि. 1114(अ).--केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 53/87-केन्द्रीय उत्पादशुल्क, तारीख 1 मार्च, 1987 में विमल्लिखित और सशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना से उपावृत्त सारणी में, अम सं. 6 के सामने स्तंभ (5) में, "कूतने" शब्द के स्थान पर, "कूतने या व्यूतन" शब्द रखे जाएंगे।

[फा.सं. 357/28/88-टी प्रार यू]

गौतम रे, अवर सचिव

No. 289/88-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 1114(E) :— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 53/87-Central Excises, dated the 1st March, 1987, namely,

In the Table annexed to the said notification, against S. No. 05, in column (5), for the word "weaving", the words "knitting or weaving" shall be substituted.

[F. No. 357/28/88-TRU]

GAUTAM RAY, Under Secy.